M.R. Angara

I

C-3

DEMONSTRATION (प्रदर्शन)

=> शिक्षक द्वारा कुछ क्रिया करके दिखाने को ही प्रदर्शन कहते हैं।

=> इसमें शिक्षक कक्षा के सामने कुछ प्रयोग करता है या कोई उपकरण संचालित करके दिखाता है।

=> प्रदर्शन देखो, सुनो व समझो के सिद्धान्त पर आधारित है। इसे बहु ज्ञानेन्द्रिय शिक्षण विधि कहा जाता है।

अच्छे प्रदर्शन की विशेषताएँ

=> इसके प्रदर्शन से पूर्व शिक्षक को अभ्यास कर लेना चाहिए।

=> प्रदर्शन में जटिल उपकरण का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

=> प्रयुक्त उपकरण का आकार बड़ा होना चाहिए ताकि सभी बच्चों को अपनी जगह पर बैठे ही दिखाई दे।

=> प्रदर्शन किस उद्देश्य से किया जा रहा है यह भी अध्यापक को स्पष्ट होना चाहिए। प्रदर्शन प्रारम्भ करने से पूर्व इसका उद्देश्य छात्रों को भी स्पष्ट कर देना चाहिए।

=> प्रदर्शन के साथ चार्ट, मॉडल व चित्रों का भी उपयोग इसे अधिक प्रभावशाली बना देगा।

II C-3

Expt. No. / Name :

Date ___/___/___

Page No. ______

Merits of Demonstration
प्रदर्शन के गुण

M.R. Angang

=> यह एक मितव्ययी विधि है।

=> छात्रों की जिज्ञासा शांत हो जाती है।

=> बच्चे मूर्त तरीके से चिन्तन कर पाते हैं।

=> व्यावसायिक कौशल के विकास के लिए उपयोगी है।

Demerits of Demonstration
प्रदर्शन के दोष

=> प्रदर्शन एक अध्यापक केन्द्रित है।

=> प्रयोगशाला संबंधी कौशलों का विकास बच्चों में नहीं हो पाता है।

=> मात्र कानों व आँखों की सहायता से वैज्ञानिक ज्ञान को प्रभावशाली रूप में ग्रहण नहीं किया जा सकता। गन्ध, बनावट व शक्तियों को निकट से ही अनुभव किया जा सकता है।

M.R. Angang

Teacher's Signature : ______